कृषि संकल्प सम्मेलन में 14 किसान वैज्ञानिक सम्मानित

khaskhabar.com : गुरुवार, 11 अप्रैल 2019 7:06 PM

Source- https://www.khaskhabar.com/local/rajasthan/jaipur-news/news-14-farmers-scientists-honored-at-krishi-sankalp-sammelan-news-hindi-1-378133-KKN.html

जयपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डीडीजी शिक्षा डॉ. एनएस राठौड़ ने किसानों से खेती बाड़ी में नवाचारों को अपनाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। उन्होंने कहा कि खेती किसानी को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को उद्यमी बनाना होगा।

डॉ. राठौड़ गुरुवार को को बिड़ला सभागार में इंडियन सोसायटी ऑफ एग्री बिजनस प्रोफेशनल्स और ओसीपी फाउण्डेशन मोरक्को द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि संकल्प राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने 14 किसान वैज्ञानिकों पद्म श्री जगदीश प्रसाद पारीक, सुंडाराम वर्मा, गुरमेलसिंह धौंसी, श्रीमती संतोष पचार, रायसिंह दहिया, कैलाश चौधरी, श्रवणकुमार बाज्या, श्रीकिशन सुमन, मोटाराम शर्मा, श्रीमती संतोष खेदड़, राकेश कुमार चौधरी, गजानंद अग्रवाल, पवन के टाक और अजीत सिंह पूनिया सहित नवाचारी किसानों को भी सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि आज दूध के उत्पादन में हम सारी दुनिया में शीर्ष पर है पर आने वाले समय में इस स्थिति को बनाए रखना बड़ी चुनौती है। उन्होंने इसके लिए उत्पादकता और आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विष्णु शर्मा ने किसानों से खेती किसानी में तकनीक

को अपनाने और खेती में विविधिकरण लाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि आज किसानों को जागरुकता के साथ ही समन्वित खेती को अपनाने की आवश्यकता है। डाॅ. विष्णु शर्मा ने किसानों व पशुपालकों से कलस्टर आधारित सोच विकसित कर आगे आने को कहा ताकि कम लागत पर अधिक संसाधनों का उपयोग कर अधिक आय प्राप्त की जा सके। उन्होंने कहा कि नवाचारी किसानों को विस्तार सेवाओं से जोड़कर सीधा लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

मिशन फार्मर साइंटिस्ट के प्रणेता डाॅ. महेन्द्र मधुप ने कहा कि किसानों की उत्पादन, प्रोसेसिंग और विपणन तक पहुंच होगी तभी किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि अपनी उपज का मूल्य तय करने का अधिकार किसान के पास होगा तो उसकी तकदीर ही बदल जाएगी। आईसेप के सलाहकार डाॅ. वीवी सदामते ने बताया कि दो दिन के सम्मेलन में 6 सत्रों में 114 किसानों ने सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए एकीकृत फार्मिंग सहित 18 महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।

आरंभ में आईसेप के निदेशक डाॅ. बीआर पाटिल ने कहा कि किसानों में क्या करना क्या नहीं करने की जागृति, परस्पर सहयोग के लिए जन संगठन, हक मांगने केे लिए जनसंघर्ष और जनकल्याण का मंत्र लेकर आगे बढ़ना होगा।

सीओओ आईसेप कमल खुराणा ने आयोजन की विस्तार से जानकारी दी और आभार व्यक्त किया।